चतुर्थ सोपान, कार्यक्रम- 8

पञ्चदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला

एम.एस. ऑफिस की उन्नत विशेषताएँ

(Advance Features of MS Office)

05-09 अक्टूबर 2020 तक

संक्षिप्त प्रतिवेदन

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की बहुआयामी परियोजना **पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन** के अंतर्गत **श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली** (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) में स्थापित **शिक्षण अधिगम केन्द्र** द्वारा चतुर्थ चरण के कार्यक्रमों में **'एम. एस. ऑफिस की उन्नत विशेषताएँ'** विषय पर अष्टम पंचदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 05 से 09 अक्टूबर 2020 तक किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को एम एस ऑफिस के विभिन्न एपलीकेशनस् से अवगत कराते हुए उन्नत विशेषताओं और उनकी व्यावहारिक प्रक्रियाओं में अन्तदृष्टि प्रदान करना जिससे विभिन्न एम. एस. ऑफिस एपलीकेशनस् विशेषकर वर्ड, एक्सल और पावरपॉइन्ट के प्रयोग हेतु कौशल एवं कुशलताओं को संवर्द्धित किया जा सके। ऑनलाइन कार्यशाला का संचालन गूगल मीट मंच पर किया गया। उद्घाटन सत्र का शुभारम्भ शिक्षण अधिगम केन्द्र की परियोजना अध्यक्ष **प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज** के स्वागत भाषण तथा कार्यशाला सन्दर्भ द्वारा किया गया। तदोपरान्त **डॉ. ओमकार राय** (महानिदेशक, साफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली) के द्वारा मुख्य अतिथि सम्बोधन एवं अध्यक्षीय भाषण श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के माननीय कुलपति **प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय** द्वारा दिया गया तथा **प्रो. के भरत भूषण** (संकाय प्रमुख एवं विभागाध्यक्ष, शिक्षा संकाय) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से सत्र सम्पन्न हुआ। कार्यशाला का क्रियान्वयन विशेष रूप से अभिकल्पित 30 सत्रों द्वारा किया गया जिसमें उद्घाटन सत्र, प्रबोधन सत्र, 14 प्रदर्शन आधारित तकनीकी सत्र एवं प्रश्नोत्तर, 05 स्वाभ्यास सत्र, ऑनलाइन आकलन सत्र, प्रतिपुष्टि सत्र, अनुभव साझा सत्र एवं समापन सत्र द्वारा किया गया। अन्तिम तिथि तक 293 प्रतिभागियों का पंजीकरण प्राप्त हुआ जिनमें से 246 को कार्यशाला हेतु आमंत्रित किया गया। वैसे 224 प्रतिभागियों ने अपने प्रतिभाग की पुष्टि प्रदान की लेकिन उनमें से 197 प्रतिभागियों ने कार्यशाला पूर्ण की और 27 प्रतिभागी अपने व्यक्तिगत कारणों से प्रतिभाग नहीं कर सकें। 197 प्रतिभागियों में 196 भारत के 21 राज्यों एवं 03 केंद्र शासित प्रदेश तथा 01 भारत के बाहर सऊदी अरब से प्रतिभागी रहे। 21 राज्यों में आंध्र प्रदेश से 07, असम से 02, बिहार से 05, छत्तीसगढ़ से 01, गुजरात से 01, हरियाणा से 15, झारखंड से 01, कर्नाटक से 03, केरल 01, मध्य प्रदेश से 04, महाराष्ट्र से 34, ओडिशा से 04, पंजाब से 05, राजस्थान से 21, तमिलनाडु से 07, तेलंगाना 03, त्रिपुरा 03, उत्तर प्रदेश से 30, उत्तराखंड से 10, पश्चिम बंगाल से 07 तथा 03 केन्द्र शासित प्रदेश में चण्डीगढ़ से 02 दिल्ली से 28, जम्मू एवं कश्मीर से 01 प्रतिभागी रहे। कार्यशाला विषय में निष्णात् देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के **आठ विशेषज्ञों** के कुशल मार्गदर्शन में सभी तकनीकी सत्रों का संचालन किया गया। इन कार्यशाला में सत्रों के मुख्य विषय रहे यथा - डॉक्यूमेंट (दस्तावेज) का निर्माण एवं प्रबन्धन, माइक्रोसोफ्ट संदर्भ टैब का प्रयोग एवं अनुप्रयोग, एम.एस.एक्सल में वर्कशीट, चार्ट, ग्राफ, पिवट ग्राफ, डेटा टूल्स और आधारभूत सूत्रों की रचना, एम.एस.वर्ड में डिजाइन और ले-आउट टैब, फार्मेटिंग डॉक्यूमेन्ट एवं मेल मर्ज का प्रयोग एवं अनुप्रयोग। इसके साथ एम.एस.पॉवरपॉइन्ट में अन्तर्क्रियात्मक प्रस्तुतियाँ, इन्फोग्राफिक्स एवं मीडिया, स्मार्ट ऐनीमेशन, स्लाइड डिजाइन थीम्स और टेम्पलेट्स, स्मार्ट आर्ट, चार्ट और तालिका रचना। तकनीकी सत्रों के विषयों के आधार पर 13 दत्तकार्य प्रतिभागियों को दिये गये। ऑनलाइन प्रशासित आकलन परीक्षण में **75% प्रतिभागियों ने 60% से अधिक अंक** प्राप्त किये। अंत में विशेषज्ञों के प्रस्तुत व्याख्यानों की गुणवत्ता के बारे में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि चार श्रेणियों यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम एवं संतोषजनक** में प्राप्त की गई और उनका औसत **74%, 22%, 03% एवं 01%** क्रमशः श्रेणियों में प्राप्त किया गया। इसके साथ ही कार्यशाला के संदर्भ में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि 10 बिंदुओं पर पाँच श्रेणियों में ली गई यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम संतोषजनक एवं असंतोषजनक।** इन 10 बिन्दुओं की श्रेणियों में प्राप्त औसत प्रतिशत में **75% उत्कृष्ट, 21%, अति उत्तम 03% उत्तम एवं 01% संतोषजनक** प्राप्त हुई। समापन सत्र में परियोजना अध्यक्ष द्वारा गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात् **प्रो. अनिल दत्तात्रेय सहस्रबुद्धे** (निदेशक, एआईसीटीई, नई दिल्ली) का मुख्य अतिथि सम्बोधन एवं अध्यक्षीय भाषण **प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय** (कुलपति, श्रीला.ब.शा.रा.सं.वि.वि. नई दिल्ली) द्वारा दिया गया। शिक्षा संकाय प्रमुख द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला समापनोपरान्त सफल प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र एवं ई-चित्रावली मेल द्वारा प्रेषित किये गए।